>

Title: Need to provide relief to the victims of fire in Bihar.

श्री जगदानंद सिंह (बक्सर): सभापति महोदय, बिहार बाढ़, सुखाड़, तूफान को झेलने के बाद आगजनी का शिकार है। गरीबी के कारण ग्रामीण आवास आज भी मुख्यतः फूस के बने हुए हैं। गंगा के दियारे में तो सत्तर-अस्सी फीसदी आवास झोपड़ी के बने हैं। आग लगने के बाद गांव के गांव पूर्णतया जल जाते हैं, तथा पूरी आबादी गृहविहीन हो जाती है। इस वर्ष गंगा के किनारे बसी आबादी समय से पूर्व भयानक तपिश का शिकार है। अकेले बक्सर, कैमूर, रोहताश में सैकड़ों गांव आगजनी के शिकार हो चुके हैं। हजारों लोग गृहविहीन हो गए हैं तथा खलिहान में रखा अनाज जल जाने के कारण लोग दाने-दाने को मोहताज हैं। राज्य सरकार के द्वारा आग से पीड़ित परिवारों को सहायता देने में लापरवाही बरतने के कारण केंद्र सरकार से मांग करता हूं कि तत्काल घर बनाने तथा खाद्यान्न आपूर्ति को सुनिश्चित कर लोगों की जान माल की हिफाजत करे। यह एक प्राकृतिक आपदा है। प्राकृतिक आपदा के प्रबंधन की सभी शर्तें लागू होनी चाहिए। महोदय, बारिश का समय दो माह में आने वाला है। सिर पर छप्पर नहीं है और किसानों का अनाज जल जाने के कारण उनके पास खाने के लिए अनाज नहीं है। आने वाली खेती के लिए उनके पास पूंजी नहीं है। बहुत भायानक स्थिति उस इलाके की है। बिहार की यह स्थिति है, चाहे वह मध्य बिहार हो या उत्तर बिहार के कोसी के इलाके के लोग हों, आगजनी के शिकार गांवों में हजारों लोग बहुत पीड़ित हैं। तत्काल वहां हस्तेक्षप कर केंद्र सरकार सहायता करे, इसकी मैं मांग करता हूं। धन्यवाद।